www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 318 | जौनपुर गुरूवार, 09 जुलाई 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

मुझे नेता प्रतिपक्ष से उम्मीद है, वो देश की सुरक्षा के मुद्दे को उठाएंगे – प्रकाश आंबेडकर

मुंबई, (एजेंसी)। वंचित बहुजन अघाड़ी पार्टी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर ने देश की सुरक्षा का जिक्र करके केंद्र सरकार को घेरा। साथ ही, उन्होंने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे नेता प्रतिपक्ष से उम्मीद है कि वो इस मुद्दे को उठाने का काम करेंगे। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अरूणाचल प्रदेश का एक संगठन है, जिसका नाम है श्नाहा वेलफेयर सोसाइटीश। इस संगठन ने राज्य के डिप्टी कमिश्नर को एक चिट्ठी भेजी है। इस चिट्ठी में कहा गया है कि ताकसिंग इलाके में अपने जानवरों को लेकर आते थे, जिस पर पाबंदी लगाई गई है। अरूणाचल सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार को पत्र भेजा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को भी चिट्ठी भेजी गई है। आज तक गृह मंत्रालय या रक्षा मंत्रालय या फिर प्रधानमंत्री कार्यालय से, अभी तक इस संबंध में अरूणाचल प्रदेश सरकार को कोई आदेश नहीं दिया गया है।उन्होंने कहा कि यह सवाल उभरकर सामने आता है कि केंद्र सरकार की ओर से जो बार–बार दावा किया जाता है, उसका रवैया चीन को लेकर कैसा रहेगा या अंत में डोनाल्ड ट्रंप कोई ऐलान करेंगे। मैं तमाम राजनीतिक दलों के प्रमुखों से कहना चाहता हूं कि देश की सुरक्षा हमारे लिए प्रमुख विषय है। संसद का सत्र शुरू होने जा रहा है। हमें पहले ही दिन से सरकार को घेरना होगा।

पश्चिम बंगाल के लिए काला दिन है – महुआ मोइत्रा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने उस पुलिस एनकाउंटर पर प्रतिक्रिया दी, जिसमें बारुईपुर रेप और मर्डर केस के आरोपी प्रभास मंडल की मौत हो गई। उन्होंने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज पश्चिम बंगाल के लिए श्काला दिनश है। हमने पश्चिम बंगाल के इतिहास में पहली बार श्एनकाउंटर किलिंगश का मामला देखा है। पश्चिम बंगाल अब यूपी 2.0 के रूप में तब्दील हो चुका है। हमने पश्चिम बंगाल में आज तक एनकाउंटर किलिंग का मामला नहीं देखा था। रेप मामले में आरोपी प्रभास मंडल को एनकाउंटर में पश्चिम बंगाल पुलिस ने ढेर कर दिया। पुलिस ने एनकाउंटर के पीछे की वजह बताते हुए कहा कि जब आरोपी को क्राइम सीन रीक्रिएट करने के लिए घटनास्थल पर ले जाया जा रहा था, तो वह भागने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद स्थिति ऐसी हो गई कि पुलिस को उस पर फायरिंग करनी पड़ गई ।टीएमसी सांसद के मुताबिक, षनियमों के तहत ऐसी स्थिति में पुलिस को आरोपी के पैर पर गोली मारने का हक है, ना कि छाती, सिर या किसी अन्य हिस्सों पर। आखिर पश्चिम बंगाल पुलिस ने आरोपी को इस तरह से गोली क्यों मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी निवेश, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा के नए युग का आधार बनेगी - पीएम मोदी

ऑस्ट्रेलिया, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और ऊर्जा संकट के इस दौर में भारत और ऑस्ट्रेलिया स्वाभाविक तथा भरोसेमंद साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। 'इकोनॉमिक रोडमैप बिजनेस रिसेप्शन' को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने दोनों देशों के उद्योग जगत से स्वच्छ ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, बुनियादी ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में गहरी साझेदारी बढ़ाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच वर्ष 2022 में हुए आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते (ईसीटीए) ने आर्थिक संबंधों को नई मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि समझौते के लागू होने के बाद भारत का ऑस्ट्रेलिया को निर्यात दोगुना हुआ है और दोनों देशों के कारोबारियों को नए बाजारों तक पहुंच का लाभ मिला है। उन्होंने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) को शीघ्र अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। पीएम मोदी ने भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा, "भारत 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट–जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।" उन्होंने हरित हाइड्रोजन, सौर, पवन और जलविद्युत क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया की प्रौद्योगिकी, पूंजी और संसाधनों की भूमिका पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि भारत ने हाल ही में 'शांति अधिनियम' के जरिए निजी क्षेत्र के लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र खोला है और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। ऑस्ट्रेलिया के विशाल यूरेनियम भंडार को इस सहयोग का बड़ा अवसर बताया। प्रधानमंत्री ने भारत में बंदरगाह, हवाई अड्डे, सड़क, रेलवे और शहरी बुनियादी ढांचे में दीर्घकालिक निवेश की अपार संभावनाएं बताईं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम मिशन और सेमीकंडक्टर कार्यक्रमों के लिए दिए गए 10 अरब डॉलर से अधिक के सरकारी समर्थन का जिक्र किया।

त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 में शामिल होंगे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

त्रिपुरा, (एजेंसी)। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास एवं संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया गुरुवार, 9 जुलाई को त्रिपुरा के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह अगरतला के हापानिया स्थित इंटरनेशनल फेयर ग्राउंड में आयोजित त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सम्मेलन में वह उद्योग जगत, निवेशकों, उद्यमियों और नीति–निर्माताओं को संबोधित करेंगे। यह आयोजन राज्य में औद्योगिक निवेश को नई गति देने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक्ट ईस्ट' विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा ह त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 का उद्देश्य राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करना, व्यापार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा स्थानीय उद्योगों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों से जोड़ना है। सम्मेलन के माध्यम से राज्य की औद्योगिक संभावनाओं को निवेशकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस अवसर पर निवेश, कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स, औद्योगिक विकास और पूर्वोत्तर की आर्थिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं और भावी रोडमैप पर अपने विचार साझा करेंगे। उनके संबोधन में पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और विकास परियोजनाओं को गति देने पर विशेष जोर रहने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री का यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक्ट ईस्ट' विजन और 'विकसित पूर्वोत्तर' के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। केंद्र सरकार आधारभूत संरचना, संचार कनेक्टिविटी, उद्योग, पर्यटन और निवेश को बढ़ावा देकर पूर्वोत्तर को देश की विकास यात्रा का सशक्त ग्रोथ इंजन बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

उत्तरी सीमा पर वायुसेना प्रमुख ने की परिचालन समीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने उत्तरी क्षेत्र के अग्रिम इलाकों का दौरा किया है। उन्होंने यहां तैनात सैन्य इकाइयों की परिचालन तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने दुनिया के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण वातावरण में तैनात वायु योद्धाओं से मुलाकात कर उनकी कार्यकुशलता, पेशेवर दक्षता और समर्पण की सराहना की। गौरतलब है कि उत्तरी क्षेत्र के अग्रिम इलाके में जम्मू कश्मीर और लद्दाख के अत्यंत रणनीतिक और कड़ी सुरक्षा वाले क्षेत्र आते हैं। यहां नियंत्रण रेखा (एलओसी) तथा वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) है। यह चीन से लगता बॉर्डर एरिया है। ये क्षेत्र दुनिया के सबसे दुर्गम, चुनौतीपूर्ण और कठिन सैन्य परिचालन क्षेत्रों में गिने जाते हैं, जहां जवानों को प्रतिकूल मौसम, ऊंचाई और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच लगातार सतर्क रहकर अपनी जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। इस क्षेत्र के दौरे में वायुसेना प्रमुख ने अग्रिम क्षेत्रों में संचालित वायुसेना इकाइयों की युद्धक क्षमता, त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था और समग्र परिचालन तैयारियों का आकलन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति, तैनाती और मौजूदा परिचालन व्यवस्थाओं की जानकारी दी। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने जवानों और अधिकारियों के साथ संवाद करते हुए कठिन भौगोलिक एवं मौसम संबंधी परिस्थितियों में उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने सीमाओं की सुरक्षा में तैनात योद्धाओं की प्रतिबद्धता और सतत सतर्कता देश की सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बताया है। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए उनकी तत्परता पर पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। वायुसेना प्रमुख ने कारगिल एयरफील्ड तथा नियंत्रण रेखा (एलओसी) और पश्चिमी लद्दाख के अग्रिम परिचालन ठिकानों का भी दौरा किया है। उन्होंने वहां उपलब्ध परिचालन संसाधनों, बुनियादी ढांचे और मिशन तैयारियों की समीक्षा करते हुए उच्च स्तर की तत्परता बनाए रखने पर जोर दिया।

जीपीए के जरिए स्टाम्प डयूटी चोरी पर दिल्ली सरकार सख्त, सब रजिस्ट्रारों को दस्तावेजों की गहन जांच के निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) के माध्यम से संपत्तियों के हस्तांतरण में कथित रूप से हो रही स्टाम्प ड्यूटी चोरी पर सख्त रुख अपनाते हुए नई व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है। सीएम रेखा गुप्ता के निर्देश पर सभी सब–रजिस्ट्रारों को जीपीए से जुड़े दस्तावेजों की विस्तृत जांच करने और नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, सरकार का उद्देश्य अचल संपत्तियों के पंजीकरण में होने वाले राजस्व नुकसान को रोकना, लैंड माफिया और फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाना और सरकारी राजस्व की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए जीपीए के जरिए तैयार किए गए सभी संपत्ति संबंधी दस्तावेजों की गहन जांच अनिवार्य कर दी गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कई मामलों में संपत्ति की वास्तविक बिक्री और मालिकाना हक के हस्तांतरण को सामान्य जीपीए का स्वरूप देकर केवल नाममात्र की स्टाम्प ड्यूटी का भुगतान किया जाता है। ऐसे दस्तावेजों में संपत्ति का कब्जा सौंपने, बिक्री करने या स्थायी अधिकार देने जैसी शर्तें शामिल होती हैं, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्टाम्प ड्यूटी की चोरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक जीपीए दस्तावेज की जांच के दौरान यह देखा जाएगा कि उसमें धन के लेनदेन का उल्लेख है या नहीं, क्या संपत्ति का कब्जा सौंपा जा रहा है, क्या दस्तावेज अपरिवर्तनीय है अथवा उसमें संपत्ति को बेचने, उपहार में देने, स्थानांतरित करने या गिरवी रखने का स्थायी अधिकार दिया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है ।

पात्र लाभार्थियों तक बिना देरी पहुंचे सरकारी योजनाएं, मुख्यमंत्री विजय ने अधिकारियों को दिए निर्देश

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसफ विजय ने बुधवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्रामीण विकास और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों तक बिना किसी देरी के पहुंचाया जाए। साथ ही उन्होंने शहरी क्षेत्रों के आसपास स्थित पंचायतों में बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों में तेजी लाने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने सचिवालय में ग्रामीण विकास विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की लगातार निगरानी करने और लाभ पहुंचाने में होने वाली देरी को खत्म करने के निर्देश दिए।10 मई को तमिलनाडु के 12वें मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद से विजय विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठकें कर रहे हैं। इसका उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाना और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री राज्य प्रशासन के दैनिक कार्यों की निगरानी के साथ–साथ वित्त वर्ष 2026–27 के राज्य बजट की तैयारियों पर भी नजर रख रहे हैं। इसके लिए वह विभिन्न विभागों के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें कर रहे हैं।बुधवार की बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को राज्यभर में चल रही ग्रामीण विकास योजनाओं, आधारभूत ढांचा परियोजनाओं और कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि सरकार की हर योजना गांवों में रहने वाले लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों के आसपास स्थित पंचायतों में सड़क संपर्क बेहतर बनाने पर ध्यान देने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क और परिवहन व्यवस्था से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, लोगों को सार्वजनिक सेवाओं तक आसानी से पहुंच मिलेगी और तेजी से विकसित हो रहे ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार होगा।

चुनाव आयोग का हर काम भारत के संविधान और पूरी तरह पारदर्शी तरीके से होता है – ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को मीडिया और कम्युनिकेशन अधिकारियों के लिए एक दिन का सम्मेलन आयोजित किया। चुनाव से जुड़े कम्युनिकेशन को मजबूत करने और डिजिटल दौर में गलत जानकारी की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 200 अधिकारियों को एक साथ लाया गया। इस कॉन्फ्रेंस में मीडिया नोडल अधिकारी, सोशल मीडिया नोडल अधिकारी, जिला मीडिया नोडल अधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारी और राज्य जनसंपर्क विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया के दौरान पारदर्शी, सटीक और समय पर संचार के महत्व पर जोर दिया। ज्ञानेश कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग का हर काम भारत के संविधान, चुनावी कानूनों और समय–समय पर जारी लिखित निर्देशों के आधार पर और पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाता है। सीईसी ने उनसे गलत जानकारी को रोकने के लिए सक्रिय रूप से काम करने का भी आग्रह किया। चुनाव प्रणाली में जनता के भरोसे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हालिया विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड मतदान यह दिखाता है कि भारतीय मतदाता देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर कितना भरोसा करते हैं। इसी तरह, डॉ. विवेक जोशी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक, सिंथेटिक मीडिया और अन्य भ्रामक डिजिटल कंटेंट से बढ़ते खतरों के बारे में बात की, जिनका मकसद "लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता के भरोसे को कम करना है।

पश्चिम एशिया तनाव से तेल कीमतों में उछाल पर भारत चिंतित, संयम बरतने की अपील की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में हाल ही में हुए हमलों और बढ़ते तनाव को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई। इस क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों को फिर से निशाना बनाया गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार देर रात एक बयान जारी करते हुए कहा, "भारत पश्चिम एशिया में हाल के हमलों और बढ़ते तनाव को लेकर बहुत चिंतित है। ये घटनाएं तब हुई हैं जब इस क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों को फिर से निशाना बनाया गया है। इन घटनाओं से क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा पैदा हो सकता है।" विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ–साथ ऊर्जा आपूर्ति और व्यापार के निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने का आह्वान करता है। हम सभी पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे इस संघर्ष का शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान खोजने के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाएं। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया। ब्रेंट क्रूड की कीमत 6.52 प्रतिशत यानी 4.69 डॉलर बढ़कर करीब 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। वहीं, अमेरिका के वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) तेल की कीमत भी छह प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल हो गई। ट्रंप ने बुधवार को ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान ने हमले जारी रखे तो अमेरिका आगे भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है ।

'राजकीय सम्बद्ध निटरा टेक्निकल कैंपस के छात्र को महामहीम राज्यपाल द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक

देश की उपासना
ब्यूरो सत्य प्रकाश उपाध्याय

गाजियाबादरूनिटरा टेक्निकल कैंपस के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि बी.टेक. (टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी) के छात्र सत्यम को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (AKTU), लखनऊ द्वारा शैक्षणिक सत्र 2022–26 में कार्पेट एवं टेक्सटाइल ग्रुप में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक (Gold Medal) से सम्मानित किया गया। यह स्वर्ण पदक उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की कुलाधिपति, महामहिम श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा सत्यम को प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रावधिक शिक्षा मंत्री ई.श्री आशीष पटेल, ऐ के टी यू के कुलपति डॉ जय प्रकाश पांडे, एन टी सी के निदेशक डॉ बी के शर्मा भी उपस्थित रहे. सत्यम की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परिणाम है। उन्होंने अपने बी. टेक. कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन करते हुए 8.59 सीजीपीए प्राप्त किया और विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वोच्च स्थान हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. बी. के. शर्मा ने सत्यम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल सत्यम के लिए बल्कि पूरे निट्रा टेक्निकल कैंपस परिवार के लिए बड़े ही गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता संस्थान में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुभवी संकाय एवं अनुशासित शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है और प्रमाण है। संस्थान के महानिदेशक डॉ. एम. एस. परमार ने उन्हें बधाई दी एवं विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के लिए प्रेरित किया. साथ ही समस्त प्राध्यापकगण, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी सत्यम को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर स्वर्ण पदक विजेता छात्र सत्यम ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों एवं निट्रा टेक्निकल कैंपस (NTC) के सहयोगात्मक एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण को दिया। सत्यम ने कहा कि उनका लक्ष्य भविष्य में टेक्सटाइल उद्योग में एक सफल वस्त्र अभियंता बनकर देश और समाज की सेवा करना तथा निट्रा टेक्निकल कैंपस (NTC) का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक गौरवान्वित करना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्थान से प्राप्त शिक्षा एवं संस्कार उनके इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

संपादकीय

अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी

बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन की आपूर्ति शृंखला से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करनी ही होगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अनंत गोयनका की ये राय अहम है कि भारत को चीन से बचने की कोशिश के बजाय उससे कारोबारी संबंध बढ़ाने चाहिए। मैनुफैक्चरिंग क्षमता की मजबूती, नवाचार को बढ़ावा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला से अधिक गहराई से जुड़ने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फिक्की के सदस्य सीईओज के एक दल की पांच दिवसीय चीन यात्रा के बाद गोयनका चीन ये तीन खास बातें कहीरू पहली, चीन कड़े मुकाबले वाले एक फाइटिंग रिंग की तरह है। वहां कंपनियां ऐसे 2–3 प्रतिशत की मार्जिन (मुनाफे) पर काम करती हैं। इस प्रतिस्पर्धा में सिर्फ कठोर और सर्वश्रेष्ठ कंपनियां ही टिक पाती हैं। दूसरी, वहां अनुसंधान एवं विकास और ऑटोमेशन उच्चतम स्तर पर हैं। कंपनियां इन क्षेत्रों में निवेश दास साल के भविष्य को ध्यान में रखकर करती हैं, ना कि किसी तिमाही नतीजे को देख कर। और तीसरी बात यह कि वहां सरकार एक मूक शेयरधारक है। सस्ता कर्ज, जमीन, बिजली और नीतिगत सहयोग इस पैमाने पर मिलता है कि प्रति इकाई लागत और मुनाफे का गणित बदल जाता है। इस कारण दूसरे देशों की कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा का धरातल समान नहीं रह जाता। गोयनका की टिप्पणियां भारतीय कारोबारी सोच में बड़े बदलाव का संकेत हैं। भारतीय उद्योगपति अब इस भय से निकल गए हैं कि चीन भारत पर हावी हो सकता है। बल्कि राय यह उभरी है कि औद्योगिक विकास के अगले दौर में जाने के लिए चीनी आपूर्ति शृंखला से जुड़ना आवश्यक हो गया है। लेकिन गोयनका का यह तर्क विवादास्पद है कि भारत को औद्योगिक विकास के पारंपरिक चरणों को छोड़ देना कर सीधे डिजिटल रूप से एकीकृत, कम इंसानी दखल वाले उत्पादन की ओर बढ़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हर विकसित देश ने ऑटोमेशन तब अपनाया, जब वह बड़े पैमाने पर उत्पादन को व्यवस्थित करना सीख चुका था। नीचे की सीढ़ियां छोड़कर भारत सीधे चोटी पर नहीं पहुंच सकता। यानी बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी।

इंडोनेशिया में पीएम मोदी ने कर दिया बड़ा खेल, इंडो पैसिफिक के सारे समीकरण ही बदल कर रख दिये

नीरज

भारत और इंडोनेशिया के रिश्तों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि बदलती वैश्विक राजनीति में दोनों देश केवल पुराने मित्र नहीं, बल्कि भविष्य के रणनीतिक साझेदार भी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ने हिंद महासागर और इंडो पैसिफिक क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को नई मजबूती दी है। जकार्ता में जिस गर्मजोशी और सम्मान के साथ प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत हुआ, उसने साफ संकेत दिया कि भारत अब एशिया की राजनीति, सुरक्षा और विकास की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्ति बन चुका है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा लोकतंत्र, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक नए क्षेत्रीय गठबंधन की मजबूत नींव भी साबित हुई। इंडोनेशिया की संसद में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण रहा। उन्होंने भारत और इंडोनेशिया को केवल दो देश नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से जुड़े सभ्यतागत साझेदार बताया। रामायण, महाभारत, नालंदा और प्रम्बानन मंदिर का उल्लेख करते हुए मोदी ने साफ कहा कि समुद्र ने दोनों देशों को कभी अलग नहीं किया, बल्कि यही समुद्र दोनों को जोड़ने वाला पुल बना। उनका यह संदेश केवल सांस्कृतिक संदेश नहीं था, बल्कि इंडो पैसिफिक की नई भू–रणनीतिक सोच का संकेत भी था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जिस दृढ़ता से कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद के मार्ग पर चलता है, वह सीधे तौर पर उस वैश्विक शक्ति संतुलन की ओर इशारा था जहां कई ताकतें समुद्री इलाकों पर दबदबा बनाने की कोशिश कर रही हैं। मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत और इंडोनेशिया यदि साथ खड़े होते हैं तो लोकतंत्र पर दुनिया का भरोसा और मजबूत होगा। यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडो पैसिफिक क्षेत्र आज वैश्विक राजनीति का सबसे संवेदनशील केंद्र बन चुका है। सरकारीएजेंसियां इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि दोनों देशों के बीच हुए 20 ऐतिहासिक समझौते रहे। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, दुर्लभ खनिज, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य, डिजिटल ढांचा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में हुए ये समझौते आने वाले वर्षों में भारत और इंडोनेशिया की साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाले हैं। सबसे अधिक चर्चा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर हुए समझौतों की रही। यह हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक संतुलन को मजबूत करने वाला कदम है। देखा जाये तो भारत द्वारा इंडोनेशिया के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाना कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण है। मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित इंडोनेशिया वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है। दुनिया के बड़े हिस्से का व्यापार इसी मार्ग से गुजरता है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के तटरक्षक बलों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ना सीधे तौर पर हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करेगा। यह साझेदारी समुद्री डकैती, अवैध गतिविधियों और किसी भी प्रकार की आक्रामक विस्तारवादी नीति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने बयान में महा सागर दृष्टि का उल्लेख करते हुए साफ कहा कि भारत मुक्त, खुला और नियम आधारित इंडो पैसिफिक चाहता है। यह संदेश पूरी दुनिया और खासतौर पर चीन के लिए था कि भारत किसी गुट की राजनीति नहीं बल्कि संतुलित और स्थिर वैश्विक व्यवस्था का समर्थक है। आसियान की केंद्रीय भूमिका पर भारत का जोर यह भी दिखाता है कि नई दिल्ली दक्षिण पूर्व एशिया को केवल व्यापारिक साझेदार नहीं बल्कि रणनीतिक सहयोगी मानती है। हम आपको बता दें कि मोदी की इस यात्रा में तकनीक और डिजिटल क्षेत्र में हुए समझौते भी बेहद महत्वपूर्ण रहे। भारत के डिजिटल सार्वजनिक ढांचे के आधार पर इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क की शुरुआत, भुगतान प्रणाली को जोड़ने की तैयारी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा स्टार्टअप सहयोग पर सहमति इस बात का संकेत है कि भारत अब तकनीकी नेतृत्व की दिशा में भी निर्णायक भूमिका निभा रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु का परिसर इंडोनेशिया में खोलने का फैसला शिक्षा और ज्ञान कूटनीति के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि उन्होंने मोदी सरकार की कई योजनाओं को अपनाया है। उन्होंने हंसी मजाक में कहा कि उन्हें खुशी है कि इन योजनाओं पर किसी का अधिकार नहीं है। लेकिन इस हल्के फुल्के बयान के भीतर भारत के विकास मॉडल की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा संदेश छिपा था। इंडोनेशिया द्वारा भारत की कृषि तकनीक, सूखी जमीन को उपजाऊ बनाने के प्रयोग और जनकल्याण योजनाओं का अध्ययन यह दिखाता है कि दुनिया अब भारत को केवल बाजार नहीं बल्कि समाधान देने वाले राष्ट्र के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान बिंतांग आदिपूर्ण दिया जाना

भी इस यात्रा की बड़ी उपलब्धि रहा। यह सम्मान केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। मोदी ने इसे भारत और इंडोनेशिया की साझा लोकतांत्रिक परंपराओं तथा सभ्यतागत रिश्तों को समर्पित किया। यह सम्मान बताता है कि दुनिया में भारत की साख पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। साथ ही भारत और इंडोनेशिया के बीच दुर्लभ खनिज, इस्पात आपूर्ति श्रृंखला और दुर्लभ पृथ्वी चुंबकों पर हुए समझौते भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिहाज से भी बेहद अहम हैं। आने वाले समय में प्रौद्योगिकी और रक्षा उत्पादन के लिए दुर्लभ खनिजों की भूमिका निर्णायक होगी। ऐसे में भारत का इंडोनेशिया के साथ इस क्षेत्र में साझेदारी करना दूरगामी रणनीतिक सोच का परिचायक है। देखा जाये तो भारत अब दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि वह विकास, लोकतंत्र, सुरक्षा और सांस्कृतिक शक्ति का ऐसा संगम है जो वैश्विक व्यवस्था को नई दिशा दे सकता है। बहरहाल, मोदी सरकार की विदेश नीति की सबसे बड़ी सफलता यही है कि उसने भारत को रक्षात्मक सोच से निकालकर निर्णायक वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में पहुंचा दिया है। कभी केवल दक्षिण एशिया तक सीमित माना जाने वाला भारत आज इंडो पैसिफिक की धुरी बन चुका है। दुनिया के बड़े राष्ट्र भारत के साथ साझेदारी को अपनी रणनीतिक आवश्यकता मान रहे हैं। इंडोनेशिया यात्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति आत्मविश्वास, सांस्कृतिक गौरव, सामरिक दूरदृष्टि और वैश्विक प्रभाव का नया अध्याय लिख रही है।

29 करोड़ मुस्लिमों के बीच शिव धाम, दीवारों पर रामायण की कहानी

अभिनय

दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश। लेकिन वहां पर मौजूद है भगवान शिव का ऐसा भव्य मंदिर जिसे देखकर दुनिया दंग रह जाती है। यह सिर्फ पत्थरों से बनी इमारत नहीं है बल्कि हजार साल पुरानी उस सांस्कृतिक यात्रा की गवाही है जिसने भारत और इंडोनेशिया को आज भी एक अदृश्य धागे में बांधे रखा है। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर स्थित ब्रह्मानन शिव मंदिर इन दिनों काफी चर्चाओं में है। वजह है कि भारत का इस विश्व धरोहर मंदिर के संरक्षण और जीर्णोद्धार में सहयोग का फैसला करीब 10वीं शताब्दी में बना ब्रह्मानंद मंदिर दक्षिण पूर्व एशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर परिसर माना जाता है। इसकी ऊंचाई शिखर शैली भारतीय मंदिर वास्तुकला की याद दिलाती है। समय, भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं ने इस धरोहर को कई बार नुकसान भी पहुंचाया है। लेकिन हर बार इसे फिर सवारने की कोशिश की हुई है। यह मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर है और दक्षिण पूर्व एशिया की सबसे भव्य हिंदू वास्तुकला का नमूना माना जाता है। भारत और इंडोनेशिया के बीच 2025 में हुए समझौते के तहत अब इस मंदिर के जीर्णोद्धार में भारत एएसआई की विशेषज्ञता देगा। तमाम सारी बातों के बीच मूल पत्थरों को जोड़कर पुनर्निर्माण की इस तकनीक को इस्तेमाल होगा। ब्रह्मानंद मंदिर का जीर्णोद्धार दोनों देशों के बीच 2000 साल पुरानी दोस्ती को और ज्यादा मजबूत करेगा। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। भगवा कुर्ता, माथे पर त्रिपुंड और पारंपरिक अंदाज में मंदिर परिसर में प्रवेश करते प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीरें चर्चा का विषय बन गईं। उन्होंने अपने कंधे पर अलग तरह का स्टॉल भी डाल रखा था। उनके साथ इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी मौजूद रहे। दोनों ने मंदिर के संरक्षण–जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा कि मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है। आपको बता दें कि मूल रूप से यहां पर 240 से ज्यादा मंदिर थे। समय के साथ भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोटों ने इसे कई बार नुकसान पहुंचाया लेकिन जो बचा है वह आज भी भव्यता के साथ खड़ा हुआ है। इसकी तुलना इसकी तुलना अक्सर कंबोडिया के अंकोर वार्ड से की जाती है। लेकिन ब्रह्मानंद पूरी तरह से हिंदू आस्था से जुड़ा हुआ है। कंबोडिया का मंदिर भी वो बड़ा विशाल है। बड़ा चर्चाओं में है। कहा जाता है कि हजारों की संख्या में जो वहां पर शिव के मूर्तियां हैं, शिवलिंग हैं, वो रावण ने बनाई थी। उसकी चर्चा फिर कभी लेकिन फिलहाल यह इंडोनेशिया के मंदिर हैं। एक नहीं 10,000 मंदिर यहां पर हैं। इन 10,000 मंदिरों का भारतीय संस्कृति से गहरा नाता है। इंडोनेशिया नौसेना का आधिकारिक आदर्श वाक्य ज्वेल जयामहे संस्कृत में वहीं राष्ट्रीय नारा है भिन्नका तंगुल ईका जापानी ग्रंथ काकाबिन समसेतु में किया गया है जिसमें संस्कृत के कई शब्द हैं इंडोनेशिया के नोट पर भगवान गणेश की तस्वीर भी छपी हुई है जहां पर गणेश का ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक माना माना जाता है। जकार्ता के बीचों–बीच 85 फीट ऊंची अर्जुन और श्री कृष्ण के रथ की प्रतिमा भी लगी हुई है जो शहर के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है। दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश होने के बावजूद इंडोनेशिया में आज भी रामायण का मंचन होता है। इसे देखने के लिए हर साल यहां पर लाखों पर्यटक पहुंचते हैं। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय एयरलाइन गरुड़ इंडोनेशिया का नाम भी गरुड़ के नाम पर रखा गया है। जिसका उल्लेख भारतीय शास्त्रों में, भारतीय वेदों में और भारतीय ग्रंथों में है। अगर कोई आपसे पूछे कि दक्षिण पूर्व एशिया का सबसे विशाल हिंदू मंदिर कौन सा है? तो जवाब होगा ब्रह्मानंद मंदिर। लेकिन इसकी पहचान सिर्फ इसके आकार से नहीं बल्कि उस अद्भुत कला और इतिहास से है जिसने इसे विश्व धरोहर बना दिया है। करीब 1100 साल पहले जावा की धरती पर ऐसा मंदिर परिसर बनाया गया जिसने भारतीय स्थापत्य कला को स्थानीय परंपराओं के साथ जोड़ा और एक नई पहचान दी। मंदिर का सबसे ऊंचा शिखर भगवान शिव को अर्पित है। समर्पित है और इसकी ऊंचाई लगभग 47 मीटर मानी जाती है। दूर से देखने पर लगता है कि मानो पत्थर का कोई पर्वत आसमान को छू रहा हो। जो तस्वीर आप अपनी टीवी स्क्रीन पर देख रहे हैं, वही है ब्रह्मानंद परिसर और मंदिर। ब्रह्मानंद परिसर में कुल सैकड़ों छोटे–छोटे बहुत सारे मंदिर हैं। इनके प्रमुख तीन मंदिर हैं। भगवान शिव का मंदिर, भगवान विष्णु का मंदिर, भगवान ब्रह्मा का मंदिर यह समर्पित मंदिर हैं। इनके सामने नंदी भी हैं, गरुड़ भी हैं और हंस के मंदिर भी बने हुए हैं। मंदिर की दीवारों पर रामायण और कृष्ण कथा की नक्काशी भारतीय संस्कृति के गहरे रिश्ते और प्रभाव को दिखाती है। पूरे इंडोनेशिया में 10,000 हिंदू देवी देवताओं के मंदिर हैं। दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी का देश और उस देश में 10,000 हिंदू मंदिर मानते हैं ना भारतीय संस्कृति को। अब जरा इसकी तमाम जो खासियत हैं उनका जिक्र मैं कर लेता हूं। असल में ब्रह्मानंद मंदिर उसकी जो परिसर है त्रिमूर्ति की पूजा का प्रमुख केंद्र माना जाता है। मुख्य और सबसे बड़ा मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसके दाई ओर भगवान विष्णु और बाई ओर ब्रह्मा जिसका मैं जिक्र कर चुका हूं। मुख्य मंदिरों के सामने देवी देवताओं के वाहन भी बने हुए हैं। जिसमें शिव के वाहन नंदी बैल का मंदिर सबसे प्रमुख है। मंदिर की जो लंबी गैलरियों की दीवारों पर रामायण और भागवत पुराण की कथाएं लिखी हुई हैं। नक्काशी के तौर पर उकेरी गई हैं जो देखने वालों को प्राचीन काल में ली जाती हैं। और यह मंदिर सिर्फ पूजा स्थल नहीं है बल्कि हिंदू पुराणों का जीवंत संग्रहालय भी बना हुआ है। प्रम्बानन मंदिर कॉम्प्लेक्स इंडोनेशिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर कॉम्प्लेक्स है और कंबोडिया के अंकोरवाट के बाद दक्षिण–पूर्व एशिया का दूसरा सबसे बड़ा कॉम्प्लेक्स है। योग्याकार्ता के पास जावा द्वीप पर स्थित, यह विशाल कॉम्प्लेक्स मूल रूप से लगभग 40 हेक्टेयर में फैले करीब 240 मंदिरों से बना था। आज, यह इंडोनेशिया के सबसे खास सांस्कृतिक स्थलों में से एक है और इस क्षेत्र की समृद्ध हिंदू विरासत की एक बड़ी निशानी है।

भारत के डिजिटल स्वास्थ्य का आधार

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचनाओं में से एक का निर्माण किया है। इसके अंतर्गत 104 करोड़ से ज्यादा स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से अधिक आभा खातों से जोड़े गए हैं। एबीडीएम ने कागजी कार्रवाई को खत्म कर और इंतजार के समय में कमी लाकर रोगियों को बीमाकर्ताओं, अस्पतालों और डॉक्टरों से एक एकीकृत नेटवर्क से जोड़ दिया है। डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का निर्माण भारत सबके लिए स्वास्थ्य सुविधा की ओर लगातार बढ़ रहा है, जहाँ हर कोई बिना किसी आर्थिक कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मजबूत डिजिटल आधार की जरूरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को ज़्यादा आसान, कुशल और सुलभ बनाने के लिए एक मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना अनिवार्य है। यह स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की सुविधा देता है, जिससे नागरिक देश भर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े किसी भी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड्स को सुरक्षित रूप से देख और शेयर कर सकते हैं। इस डेटा का उपयोग स्वास्थ्य योजना और सेवा वितरण में सुधार करने के साथ–साथ भारत के उभरते हुए कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए किया जा सकता है। इस तरह की अवसंरचना के होने से बीमारी पर नजर रखने, निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में नए नवाचार की संभावना बनती है। इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने एक एकीकृत और नागरिक–केंद्रित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम विकसित करने के लिए सितंबर 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की शुरुआत की। एक एबीडीएम–सक्षम सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) से जुड़े डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बना सकते हैं। इसके अलावा, वे मरीज की सहमति लेने के बाद उनके पिछले रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से देख सकते हैं और मरीज की ऐसी मंजूरी, जिसे कभी भी वापस लिया जा सके और जो एक तय समय के लिए हो, के जरिए डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का आदान–प्रदान कर सकते हैं।

आभा आधार की तरह एक विशिष्ट पहचान है, जो लोगों को सुरक्षित रूप से व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ता है। यह मरीजों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में मदद करता है। वे इस एक अंतर–संचालनीय नेटवर्क के माध्यम से अपने पूरे मेडिकल इतिहास को सुरक्षित रखते हुए बीमा कंपनियों, स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टरों और अन्य सेवाओं से जुड़ सकते हैं। मई 2026 में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि के तहत, अब 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से भी ज़्यादा आभा खातों से जुड़ चुके हैं। यह एक व्यवस्थित डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की दिशा में अहम प्रगति है। आभा के अलावा, एबीडीएम एक पूर्ण रूप से विकसित डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र है। यह मरीजों को उनके मेडिकल रिकॉर्ड से जोड़ता है, बीमा कंपनियों को अस्पतालों से जोड़ता है, और सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एक ही नेटवर्क पर लाता है। आभा संख्यारू 14 अंकों की एक विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान या संख्या जो आपकी सहमति से विभिन्न अस्पतालों, लैब, बीमा कंपनियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आपके सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ती है। स्वास्थ्य व्यावसायिक पंजीयनरू देश के सभी स्वास्थ्य पेशेवर डॉक्टरों से लेकर आयुष चिकित्सकों तक का पंजीयन, जो सत्यापित होते हैं और डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं। स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्रीरू सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओंकृजैसे अस्पतालों, क्लीनिकों, लैब और फार्मेसियों का एक राष्ट्रीय पंजीकरण, जो सभी एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेसरू स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक खुला नेटवर्ककृजैसे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए यूपीआई। इसके जरिए किसी भी ऐप से अपॉइंटमेंट बुक करें, डॉक्टरों से परामर्श लें और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का पता लगा सकते हैं। आरोग्य सेतु 2.0रू यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) के लिए एक एकीकृत माध्यम के रूप में कार्य करता है, जिससे देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की रफ्घ्तार को तेज किया जा रहा है। आरोग्य सेतु 2.0 मूल रूप से भारत के कोविड–19 ट्रेसिंग एप्लिकेशन (कोविड–19 संपर्क में आने वालों का पता लगाने वाला एप) के रूप में विकसित, आरोग्य सेतु को एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में बदल दिया गया है। यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए एक एकीकृत गेटवे के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की गति को तेज कर रहा है। आरोग्य सेतु 2.0 को 29 जून, 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा एबीडीएम के तहत एक नए रूप और नागरिक–केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में शुरू किया गया था।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की चिरस्थाई विरासत- संस्थाएं, विचार और राष्ट्र निर्माण

गजेंद्र सिंह शेखावत

इतिहास अक्सर महान नेताओं को उनके राजनीतिक संघर्षों के जरिए याद करता है। लेकिन राजनेताओं के चिरस्मरणीय योगदान राजनीति के दायरे तक ही सीमित नहीं होते। उनकी वास्तविक विरासत उनके द्वारा सृजित संस्थाओं, परिपोषित विचारों और आने वाली पीढ़ियों के लिए छोड़े गए आदर्शों में होती है। राष्ट्र भारत केसरी डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का 125वां जन्म दिवस मना रहा है। इस अवसर पर उनके सार्वजनिक जीवन के एक ऐसे पहलू को स्मरण करना प्रासंगिक होगा जिसकी ओर व्यापक रूप से गौर करने की जरूरत है। यह पहलू है, राष्ट्र निर्माण की बुनियाद के रूप में संस्थाओं का सृजन करने की उनकी आजीवन प्रतिबद्धता। स्वतंत्र भारत का उदय सिर्फ एक राजनीतिक संघर्ष से नहीं हुआ। उसे विश्वविद्यालय बनाने थे जो नागरिकों को शिक्षित करने में सक्षम हों। ऐसी अनुसंधान संस्थाएं खड़ी करनी थीं जो वैज्ञानिक ज्ञान का प्रसार कर सकें। उसे ऐसे उद्योग तैयार करने थे जो आर्थिक आत्मनिर्भरता पैदा कर सकें। सभ्यता की विरासत की रक्षा करने वाले सांस्कृतिक संगठनों और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती देने वाली लोक संस्थाओं को तैयार करना था। डॉ मुखर्जी ने जल्दी ही समझ लिया था कि राष्ट्र का भविष्य सिर्फ दूरद्रष्टा नेतृत्व पर ही निर्भर नहीं करता। यह उन मजबूत संस्थाओं पर भी निर्भर करता है जो नेताओं और सरकारों से ज्यादा टिकाऊ होंगी। उनका असाधारण शैक्षिक कॅरियर उनके विश्वास को प्रतिबिंबित करता है। वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे कम उम्र के कुलपति बने। उन्होंने वैसे समय में यह कार्यभार संभाला जब उच्चतर शिक्षा भारत के बौद्धिक जागरण का केंद्र बन रही थी। उनके लिए विश्वविद्यालय सिर्फ स्नातक तैयार करने के स्थल नहीं थे। वे वैसे सुविज्ञ नागरिकों को गढ़ने वाले संस्थान थे जो सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी के साथ योगदान करने में सक्षम हों। उनकी राय थी कि शिक्षा को राष्ट्र निर्माण के वृहत्तर कार्य से अलग नहीं किया जा सकता। विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति के प्रति उनका समर्पण विश्वविद्यालयों के परिसर से कहीं आगे बढ़कर था। भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु की कोर्ट और काउंसिल के सदस्य के तौर पर, उन्होंने भारत के प्रमुख वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्रों में से एक को मजबूत बनाने में योगदान दिया। 1947 में, उन्होंने डिपार्टमेंट ऑफ पावर इंजीनियरिंग की आधारशिला रखी क्योंकि वे भली–भांति समझते थे कि स्वतंत्र भारत की आर्थिक प्रगति के लिए इंजीनियरिंग की शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत जरूरी होगी। नवाचार को मुख्य नीतिगत लक्ष्य बनाए जाने से बहुत पहले ही, उन्होंने यह समझ लिया था कि वैज्ञानिक उत्कृष्टता और औद्योगिक विकास ही देश की दीर्घकालिक मजबूती तय करेंगे। स्वतंत्रता के बाद, जब डॉ. मुखर्जी भारत के पहले उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तब इस दृष्टिकोण को व्यावहारिक रूप दिया गया। उन शुरुआती सालों में, नए नए आजाद देश के सामने एक औद्योगिक आधार तैयार करने की बड़ी चुनौती थी। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स और सिंदरी फर्टिलाइजर फैक्ट्री जैसे संस्थान सिर्फ 'मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के तौर पर नहीं, बल्कि तकनीकी क्षमता और आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प के प्रतीक के तौर पर स्थापित किए गए थे। डॉ. मुखर्जी के लिए, औद्योगीकरण कभी भी अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं थाय यह राष्ट्रीय क्षमता और सामूहिक आत्मविश्वास में किया गया एक निवेश था। हालाँकि, किसी भी संस्थान के निर्माण के लिए केवल भौतिक अवसंरचना या प्रशासनिक कुशलता की ही जरूरत नहीं होती। इसके लिए सहानुभूति, जन–सेवा और नैतिक जिम्मेदारी की भावना की भी आवश्यकता होती है। डॉ. मुखर्जी में इन गुणों की झलक 1943 के बंगाल अकाल के दौरान ही साफ तौर पर दिखाई दी थी, जब उन्होंने बीसवीं सदी की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत कार्य करने में खुद को समर्पित कर दिया था। विभाजन के बाद, उन्होंने विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए बड़े पैमाने पर काम किया। वे समझते थे कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण में संस्थानों को फिर से खड़ा करने के साथ–साथ लोगों के दुख दर्द को कम करना और उस पर मरहम लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उनका सार्वजनिक जीवन, भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी समझ और सम्मान को भी दर्शाता था। महाबोधि सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के तौर पर, उन्होंने बौद्ध देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। सभ्यतागत कूटनीति के स्थायी महत्व को समझते हुए, बुद्ध के मुख्य शिष्योंकृअर्हत सारिपुत्र और अर्हत मौद्गल्यायनकृके पवित्र अवशेषों का भारत में स्वागत करने में उन्होंने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। आज भी, मंगोलिया जैसे देशों के साथ इन पवित्र अवशेषों को साझा करने की भारत की कोशिशें यह दिखाती हैं कि किस तरह सांस्कृतिक विरासत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मजबूत करती है और ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा बनाती है। साहित्य और विद्वता के प्रति भी उनकी चिंता उतनी ही स्पष्ट थी। उनके पत्रों से पता चलता है कि उन्होंने प्रसिद्ध कवि काजी नजरुल इस्लाम की उनके व्यक्तिगत संकट के समय किस तरह मदद की थी। ऐसी घटनाएँ हमें याद दिलाती हैं कि सार्वजनिक नेतृत्व को केवल बड़े नीतिगत फैसलों से ही नहीं, बल्कि उदारता के उन शांत और मौन कार्यों से भी आंका जाता है, जिन पर शायद ही कभी लोगों का ध्यान जाता है। डॉ. मुखर्जी ने संस्थागत निर्माण के इसी दृष्टिकोण को संविधान सभा में भी आगे बढ़ाया। संविधान के निर्माण को ष्एक बड़ी जिम्मेदारीष और ष्एक गंभीर और पवित्र विश्वासष के रूप में वर्णित करते हुए, उन्होंने संवैधानिक शासन के साथ जुड़ी नैतिक जिम्मेदारियों पर जोर दिया। उनके वे शब्द आज भी बेहद प्रासंगिक हैं। संविधान की ताकत अंततरू न केवल उसके लिखित प्रावधानों पर, बल्कि संसद की शुचिता, सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता, कानून के शासन और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी निर्भर करती है। संवैधानिक लोकतंत्र तभी फलता–फूलता है जब संस्थाओं पर जनता का भरोसा हो और वे ईमानदारी से काम करें। जैसे–जैसे भारत एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर हो रहा है, डॉ. मुखर्जी की सोच हमें एक जरूरी बात याद दिलाती है। सिर्फ आर्थिक विकास से ही देश की तरक्की तय नहीं होती। संवहनीय विकास के लिए शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, सांस्कृतिक संरक्षण और लोगों का भरोसा जगाने वाले संस्थानों में लगातार निवेश की जरूरत होती है। सड़कें, हवाई अड्डे और कारखाने बेहद जरूरी हैं, लेकिन उतने ही जरूरी वे विश्वविद्यालय भी हैं जो जिज्ञासा को प्रोत्साहित करते हैं, वे प्रयोगशालाएँ जो ज्ञान का विस्तार करती हैं, वे संग्रहालय जो विरासत को संजोते हैं और वे सार्वजनिक संस्थान जो संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं में एक अद्भुत गुण होता हैरू वे सरकारों, राजनीतिक आंदोलनों और यहाँ तक कि कई पीढ़ियों से भी ज़्यादा समय तक बनी रहती हैं। वे संचित ज्ञान को संजोकर रखती हैं, बदलाव के बीच निरंतरता बनाए रखती हैं और समाज को दीर्घकालिक राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। नेता इतिहास को आकार दे सकते हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष की कैद 33 हजार रुपए लगा जुर्माना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश षष्ठम सुरेंद्र प्रताप यादव की अदालत ने बुधवार को 4 वर्ष पूर्व अवयस्क को भगा ले जाने व उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को 10 वर्ष के सश्रम करावास व 33000 रुपए जुर्माने से दंडित किया। इस संबंध में शाशकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी ने बताया कि सिंगरामऊ थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि दिनांक 17 अप्रैल 2022 को शाम 7:00 बजे उसकी 17 वर्षीय पुत्री को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर भगा ले गया। बाद में लड़की वापस आने पर बताई कि उसका पड़ोसी बाबुआ उसे शादी का झांसा देकर कानपुर भगा ले गया था और उसके साथ बलात्कार करता था। जब उसकी मां ने एफआईआर किया तब बबुआ उसे लेकर गांव आया। पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी व रमेश चंद्र पाल के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने आरोपी युवक को दोषसिद्ध पाते हुए उक्त दंड से दंडित किया।

अमीनाबाद इंटर कॉलेज को मिली 500 नई बेंच, विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध होगी

लखनऊ, (संवाददाता)।नगर निगम द्वारा संचालित अमीनाबाद इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। भारतीय स्टेट बैंक ने अपने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के तहत विद्यालय को 500 बेंच उपलब्ध कराईं, जिन्हें बुधवार को विद्यार्थियों को समर्पित किया गया। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता का सराहनीय उदाहरण बताया।महापौर ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। नगर निगम द्वारा संचालित विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता के साथ–साथ आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई बेंच उपलब्ध होने से छात्र–छात्राओं को अध्ययन के लिए अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित वातावरण मिलेगा।उन्होंने कहा कि सरकारी एवं सार्वजनिक संस्थानों के साथ सामाजिक दायित्व निभाने वाली संस्थाओं का सहयोग शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस सहयोग के लिए उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों का आभार भी व्यक्त किया।कार्यक्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार, स्थानीय पार्षद मुकेश सिंह श्मोंटीश, अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त, मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी महामिलिंद लाल, उप नगर आयुक्त रश्मि भारती, भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक धीरज कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक अवंतिका सिंह, शासकीय व्यवसाय शाखा की शाखा प्रमुख रिचा द्विवेदी, उप प्रबंधक मृत्युंजय दुबे, विद्यालय के प्रधानाचार्य साहब लाल मिश्रा, शिक्षक–शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधानों के स्थान पर प्रशासक नियुक्त करने के सरकारी आदेश पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों के निर्वाचित ग्राम प्रधानों के स्थान पर प्रशासक नियुक्त किए जाने के राज्य सरकार के निर्णय दिनांक 25ध्05ध्2026!को चुनौती देने वाली जनहित याचिका (च्प्स्) पर आज माननीय उच्च न्यायालय, लखनऊ खंडपीठ में विस्तृत सुनवाई हुई।यह जनहित याचिका एडवोकेट संजय कुमार शर्मा द्वारा स्वयं (इन पर्सन) प्रस्तुत की गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि ग्राम प्रधानों के स्थान पर प्रशासकों की नियुक्ति संविधान के 73वें संशोधन, पंचायत राज व्यवस्था तथा संबंधित वैधानिक प्रावधानों के विपरीत है और इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होती है।सुनवाई के उपरांत माननीय वरिष्ठ न्यायमूर्ति राजन रॉय एवं माननीय न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने प्रथम दृष्टया सरकार के आदेश पर गंभीर प्रश्न उठाते हुए उसे तर्कसंगत आधार से रहित तथा नियमों के अनुरूप न होने संबंधी आपत्तियों पर राज्य सरकार से जवाब तलब किया। न्यायालय ने राज्य सरकार को दो दिन के भीतर अपना उत्तर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।इसके साथ ही न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए।

कथित एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में राम मंदिर चढ़ावा प्रबंधन प्रणाली पर सवालय आधिकारिक पुष्टि शेष

लखनऊ, (संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित भेंट एवं चढ़ावे की धनराशि के प्रबंधन से संबंधित एक कथित विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर कई गंभीर दावे सामने आए हैं। हालांकि, इस रिपोर्ट की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न तो उत्तर प्रदेश शासन और न ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। इसलिए रिपोर्ट में उल्लिखित सभी निष्कर्षों को अंतिम अथवा निर्णायक नहीं माना जा सकता। मामले की जांच अभी जारी बताई जा रही है।सूत्रों के अनुसार, कथित प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि जांच दल ने गणना कक्ष एवं स्ट्रांग रूम के सीसीटीवी फुटेज, ट्रस्ट पदाधिकारियों, बैंक अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों और गणना कर्मियों के कथनों, बैंक खातों के विवरण, बरामदगी संबंधी अभिलेखों, समझौता ज्ञापन (एमओयू), मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तथा अन्य दस्तावेजों का परीक्षण किया। रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया यह दावा किया गया है कि गणना प्रक्रिया में कार्यरत कुछ कर्मियों द्वारा कथित रूप से धनराशि के गबन और चोरी के संकेत मिले हैं तथा सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में कथित चूक के कारण ऐसी घटनाएं संभव हुईं।कथित रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर में विभिन्न हुंडियों से प्राप्त नकदी का अलग–अलग अभिलेखीकरण और गणना किए जाने का प्रावधान था, लेकिन व्यवहार में विभिन्न हुंडियों की राशि को गणना से पहले मिला दिया जाता था। रिपोर्ट में इसे एक गंभीर प्रक्रियागत कमजोरी बताया गया है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को चारबाग बस अड्डे से गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ की नाका हिण्डोला पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती का कथित रूप से शारीरिक शोषण करने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पीड़िता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के दौरान की गई।पुलिस के अनुसार 20 मई 2026 को पीड़िता ने थाना नाका हिण्डोला में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अहमदाबाद निवासी एजाज मिर्जा ने उससे विवाह करने का आश्वासन दिया और इसी भरोसे पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में आरोपी ने विवाह नहीं किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना नाका हिण्डोला में मुकदमा संख्या 82ध्2026, धारा 69 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बाद थाना नाका हिण्डोला पुलिस की टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी रही।

शिक्षण, प्रयोगशाला और संसाधनों की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें - प्रो. वंदना सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के साथ ही कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने गुरुवार को प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भईया भौतिकी अध्ययन संस्थान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक सुविधाओं तथा उपलब्ध संसाधनों का अवलोकन किया और उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। कुलपति ने संस्थान के शिक्षकों के साथ बैठक कर नए सत्र की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागाध्यक्ष अपने–अपने विभागों में प्रवेश, कक्षाओं के संचालन, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, समय–सारिणी तथा अन्य शैक्षणिक व्यवस्थाओं को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर लें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ आधुनिक संसाधनों से युक्त शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है। इसके लिए प्रत्येक विभाग को शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने प्रयोगशालाओं के नियमित रखरखाव, उपकरणों की उपलब्धता तथा विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने डीएसटी–पर्स एवं पीएम–उषा योजना के अंतर्गत स्थापित अत्याधुनिक उपकरणों एवं प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने इंटीग्रेटेड थर्मल इवेपोरेटर सिस्टम, ग्लोव बॉक्स सिस्टम, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन, सोलर सिम्युलेटर, गैस सेंसर सिस्टम, स्पटरिंग सिस्टम तथा डीआरएस सिस्टम सहित अन्य उपकरणों के उपयोग एवं शोध कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर पीएम–उषा समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र ने इन अत्याधुनिक उपकरणों की उपयोगिता एवं उनके माध्यम से किए जा रहे शोध कार्यों की जानकारी दी। परियोजना के सह–समन्वयक डॉ. धीरेन्द्र चौधरी ने बताया कि इंटीग्रेटेड ग्लोव बॉक्स सिस्टम सहित अन्य अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से सोलर सेल, गैस सेंसर एवं अन्य उन्नत अनुसंधान कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. मिथलेश सिंह, चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. प्रमोद यादव, डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ. नितेश जसवाल, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी सहित संस्थान के अन्य शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवा राष्ट्र निर्माण का सशक्त आधार– डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में ष्राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिकाष विषय पर एक प्रेरणादायी विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने की, जबकि मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह एवं विशिष्ट अतिथि सीओ सिटी आईपीएस गोल्डी गुप्ता रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अब्दुल कादिर खान ने कहा कि शिक्षित, संस्कारित एवं जागरूक युवा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति हैं। मुख्य अतिथि डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह ने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा, सेवा, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि आईपीएस गोल्डी गुप्ता ने कहा कि युवाओं की सकारात्मक सोच, अनुशासन और कानून के प्रति सम्मान ही एक सुरक्षित एवं समृद्ध समाज की नींव है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. जीवन यादव, डॉ. कमरुद्दीन शेख, आर.पी. सिंह, डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ. मयंक सिंह, डॉ. संतोष सिंह, प्रवीण यादव, तकरीम फातिमा, अहमद अब्बास खान, आदित्य मिश्रा सहित महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहीं। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हाईकोर्ट ने तुलसियानी कंस्ट्रक्शन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई रद्द की

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने तुलसियानी कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग का मुकदमा रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकलपीठ ने यह फैसला ईडी की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका पर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि व्यावसायिक और दीवानी विवादों को आपराधिक स्वरूप देकर धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती है। अदालत ने इस टिप्पणी के साथ विशेष न्यायाधीश (पीएमएलए), लखनऊ की ओर से 30 जनवरी को पारित संज्ञान एवं तलबी आदेश को भी निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस विवाद की जड़ बैंक, बिल्डर और फ्लैट खरीदारों के बीच वित्तीय एवं संविदात्मक दायित्वों से जुड़ी है। ऐसे दीवानी या संविदात्मक विवादों को आपराधिक मामला बनाकर पीएमएलए की कार्रवाई शुरू करना कानून की मंशा के अनुरूप नहीं है। इस मामले में बैंक ने एफआईआर दर्ज करवाकर आरोप लगाया था कि बिल्डर ने फ्लैट खरीदारों के नाम पर स्वीकृत होमलोन की राशि प्राप्त करने के बावजूद समय पर फ्लैट उपलब्ध नहीं कराए, जिससे बैंक को वित्तीय नुकसान हुआ। इसके बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ शिकायत दाखिल की थी।

मौखिक साक्ष्य बिना विभागीय दंड नहीं, दस्तावेजों के आधार पर सजा

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सेवा मामले में दिए एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही में आरोप सिद्ध करने के लिए विभाग को मौखिक साक्ष्य पेश करना अनिवार्य है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल दस्तावेजों के आधार पर, बिना नियमित मौखिक जांच और गवाहों के परीक्षण के किसी कर्मचारी को दंडित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने ऐसी कार्रवाई को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और उप्र सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली के प्रावधानों के विपरीत बताया। न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार ने यह आदेश तत्कालीन एसडीएम मोहनलालगंज संतोष कुमार सिंह की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। याचिकाकर्ता की ओर से न्यायालय को बताया गया कि जांच अधिकारी ने न तो मौखिक सुनवाई की, न किसी गवाह का बयान दर्ज किया और न ही जिरह का अवसर दिया। पूरी विभागीय जांच केवल अभिलेखों के आधार पर पूरी कर ली गई थी। राजस्व परिषद ने अपनी राय में कहा था कि याचिकाकर्ता ने आवश्यक सतर्कता बरती थी और अनियमितताओं की जानकारी मिलते ही सुधारात्मक कदम उठाए थे। परिषद ने यह भी माना था कि उनके खिलाफ किसी दुर्भावना का कोई प्रमाण नहीं है, लेकिन इस रिपोर्ट पर उचित विचार नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि विभागीय जांच में न तो सुनवाई की तिथि, समय और स्थान निर्धारित किया गया और न ही आरोपों को सिद्ध करने के लिए विभाग ने कोई मौखिक साक्ष्य पेश किया। अदालत ने माना कि ऐसी जांच विधिसम्मत नहीं कही जा सकती और इस आधार पर विभागीय दंडादेश को कानून के अनुरूप नहीं ठहराया जा सकता। मामला वर्ष 2019 का है। ग्राम भसंडा में आवासीय पट्टों के आवंटन में कथित अनियमितताओं के आरोप में संतोष के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की गई थी।

स्कूल चलो अभियान की रैली को राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव व डीएम ने दिखाई हरी झंडी, शत–प्रतिशत नामांकन का लिया संकल्प

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नए शैक्षिक सत्र 2026–27 के लिए जिले में श्स्कूल चलो अभियानश का शुभारंभ गुरुवार को भव्य जागरूकता रैली के साथ किया गया। अभियान का उद्देश्य जिले के सभी बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना तथा परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव तथा जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन ने डायट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में बड़ी संख्या में शिक्षक–शिक्षिकाएं, छात्र–छात्राएं और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हुए। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने हाथों में शिक्षा जागरूकता संबंधी स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर लोगों को शिक्षा का संदेश दिया। बच्चों ने ष्सब पढ़ें, सब बढ़ेंष, ष्आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगेष तथा ष्हो सुगंध हर फूल में, हर बच्चा स्कूल मेंष जैसे नारों के माध्यम से अभिभावकों से अपने बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराने की अपील की। रैली का आकर्षण बैंड–बाजा, सजे हुए रथ, घोड़े तथा डीजे पर बज रहे शिक्षा प्रेरक गीत रहे। जागरूकता रैली डायट परिसर से शुरू होकर चहारसू चौराहा, सद्भावना मोड़, शाही किला, अटाला मस्जिद और कोतवाली चौराहा होते हुए टाउन हॉल के मैदान में पहुंचकर समाप्त हुई। इस अवसर पर उपस्थ्राथित बच्चों अभिभावकों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रत्येक बच्चे का विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से विद्यालय आने और घर पर भी पढ़ाई का अभ्यास करने का आह्वान किया।वही बीएसए समीर कुमार ने कहा कि सरकार के मंसा के अनुरूप आज से स्कूल चलो अभियान का प्रारंभ किया गया है और ज्यादा से ज्याद बच्चों का नामांकन स्कूल में किया जाएगा आज 10 बच्चों का नामांकन राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव द्वारा किया गया है।सभी खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि अपने अपने क्षेत्र में अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा बच्चों का नामांकन कराये।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की प्रवेश विवरणिका का कुलपति ने किया विमोचन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026दृ27 की प्रवेश प्रक्रिया हेतु तैयार की गई प्रवेश विवरणिका का विमोचन कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने गुरवार को किया। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि प्रवेश विवरणिका विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, शुल्क, महत्वपूर्ण तिथियों एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का एक महत्वपूर्ण संकलन है। उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध ढंग से संचालित करने पर बल दिया। प्रवेश समिति के संयोजक प्रो. मिथिलेश सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित की जाएगी। उन्होंने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे प्रवेश से संबंधित नवीनतम सूचनाओं, महत्वपूर्ण तिथियों एवं अन्य आवश्यक निर्देशों के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट का नियमित अवलोकन करते रहें, ताकि किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित न रहें। इस अवसर पर प्रवेश समिति के अध्यक्ष प्रो. रजनीश भास्कर, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो गिरिधर मिश्र, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, उपकुलसचिव अजीत सिंह, डॉ धीरेंद्र चौधरी, डॉ सुजीत चौरसिया आदि उपस्थित रहें।

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिला मजदूर का शव, जांच में जुटी पुलिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बरसठी थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 55 वर्षीय व्यक्ति का शव घर के सामने शीशम के पेड़ से फंदे के सहारे लटका मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान गणेशपुर निवासी राय साहब चौहान (55) के रूप में हुई है। वह ईंट–भट्ठे पर मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। ग्रामीणों के अनुसार, वह करीब दस दिन पहले वाराणसी स्थित एक ईंट–भट्ठे से काम करके घर लौटे थे। उनकी कोई संतान नहीं थी और वह अपनी पत्नी के साथ रहते थे। बताया गया कि वह दो भाइयों में सबसे छोटे थे। गुरुवार सुबह जब उनकी पत्नी और ग्रामीण घर के बाहर पहुंचे तो शीशम के पेड़ से शव लटका देख हड़कंप मच गया। घटना की सूचना तत्काल बरसठी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया, आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।इस संबंध में बरसठी थाना प्रभारी जय प्रकाश यादव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

पिटाई से घायल श्रमिक की मौत, शव रखकर प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा में 27 जून को हुई पिटाई में घायल मवई पड़ियाना गांव निवासी श्रमिक जितेंद्र कुमार (32) की मंगलवार सुबह मौत हो गई। मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने से आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों के साथ सुबह आठ बजे मवई चौराहे पर शव रखकर सड़क जाम कर दी और प्रदर्शन किया। सूचना पर पहुंचे एसीपी कृष्णानगर अभिषेक पांडेय ने तीन आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कराकर प्रदर्शन खत्म कराया। रामकुमार रावत के अनुसार, 27 जून को उनका बेटा जितेंद्र बाइक बनवाने मवई चौराहा जा रहा था। रास्ते में महिपाल रावत की बकरी उसकी बाइक से टकरा गई। इस पर महिपाल ने जितेंद्र से गाली–गलौज की। जितेंद्र का छोटा भाई सुमित उसे बचाने पहुंचा तो महिपाल, उसके भतीजे अनीस और एक अन्य ने सुमित को पकड़ लिया। उन्होंने जितेंद्र को लाठी–डंडों से बुरी तरह

पीटा, जिससे उसका सिर फट गया और वह बेहोश हो गया। रामकुमार ने बताया कि जितेंद्र को दुबग्गा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बंथरा थाने में एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे तो पुलिस ने आरोपी महिपाल से इलाज का खर्च उठाने की शर्त पर समझौता करा दिया। सोमवार शाम को महिपाल ने इलाज का खर्च देने से मना कर दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने जितेंद्र को डिस्चार्ज कर दिया। मंगलवार तड़के करीब चार बजे जितेंद्र ने अपनी बहन पिंकी के घर दम तोड़ दिया।

'आत्मा गवर्निंग बोर्ड की बैठक संपन्न' 'कृषि योजनाओं को शत–प्रतिशत व ससमय लागू करें–जिलाधिकारी'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कृषि तकनीकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) गवर्निंग बोर्ड की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में आयोजित की गयी, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी, उप कृषि निदेशक पी०के० मिश्र, जिला कृषि अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबन्धक, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी, परियोजना निदेशक (जिला ग्राम्य विकास अभिकरण), मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, डी०डी०एम नाबार्ड, स्वयंसेवी संस्थाओं (छळव) के प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील कृषकों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान कृषि तकनीकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम, उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम, नेशनल मिशन ऑन एडिबिल ऑयल, सब मिशन आन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन, प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन–सीटू मैनेजमून्ट आफ क्राप रेजि्डयू, नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग, परम्परागत कृषि विकास, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे योजना जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए कि इन सभी कल्याणकारी योजनाओं का कृषकों के मध्य व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाए और सभी योजनाओं को निर्धारित समय–सीमा के भीतर शत–प्रतिशत रूप से पूरी पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित किया जाए ताकि जनपद के किसानों को इनका ससमय और उचित लाभ मिल सके। साथ ही जिलाधिकारी ने जनपद में फूड फेस्टिवल का आयोजन कराए जाने के भी निर्देश दिए।

टूटते रिश्तों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। पुलिस की भूमिका केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है,बल्कि समाज में विश्वास, सुरक्षा और पारिवारिक सौहार्द स्थापित करना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।इसी दायित्व का निर्वहन करते हुए तेज तर्रार व अनुभवी महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने अपनी संवेदनशील कार्यशैली,धैर्य और सूझबूझ के बल पर दर्जनों बिखरते परिवारों को फिर से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रही है।देखा जाये प्रतिदिन न्याय की आस लिये महिला थाना पहुंचने वाले पति–पत्नी के विवादों में उन्होंने केवल कानूनी प्रक्रिया तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि दोनों पक्षों को अपने सूझबूझ से समझाकर व उनकी समस्याओं को सुनकर और आपसी संवाद स्थापित कर अनेक परिवारों को टूटने से बचाने का काम कर रही है।देखा जाये तो उनके प्रयासों से कई घरों में फिर से खुशियां लौटी हैं और बच्चों का भविष्य सुरक्षित हुआ है।वही एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर अयोध्या पुलिस द्वारा चलाए जा रहे महिला सुरक्षा व जन जागरुकता अभियानों को धरातल पर सफल बनाने में आशा शुक्ला की भी महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई दे रही है।मिशन शक्ति अभियान के तहत वे अपनी टीम के साथ महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा हेल्पलाइन सेवाओं के प्रति जागरूक करने में उन्होंने उल्लेखनीय योगदान कर रही है।आईपीएस पुलिस अधिकारी व ग्रामीण तथा मिशन शक्ति अभियान के नोडल अधिकारी बलवंत चौधरी तथा पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, मेलों, धार्मिक आयोजनों एवं विशेष अभियानों में भी उनकी सक्रिय भूमिका निभा रही है। बताते चले कि रामनगरी अयोध्या में आयोजित बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान महिला सुरक्षा,शिकायत निस्तारण और जनसंपर्क के क्षेत्र में उनकी कार्यशैली को व्यापक सराहना मिली है।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला का मानना है कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास का संबंध जितना मजबूत होगा,समाज उतना ही सुरक्षित और सशक्त बनेगा। यही कारण है कि उनके पास पहुंचने वाली महिलाओं को केवल कानूनी सहायता ही नहीं, बल्कि भावनात्मक संबल और न्याय का भरोसा भी मिलता है।

नगर मे सक्रिय अराजक तत्वों पर अंकुश लगाने मे विफल दिख रही नगर पुलिस

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों, कालोनियों,मार्गो में शाम ढलते ही अराजक तत्व व शोहदे सक्रिय दिखाई दे रहे है।जिसके चलते इधर से शाम को गुजरने वाली महिलाओं व लड़कियों के साथ साथ अन्य राहगीर अपने आपको असुरक्षित महसूस करती है।परंतु इन अराजक तत्वों पर अंकुश लगाने मे नगर पुलिस विफल दिखाई दे रही है।देखा जाये तो शहर के गुलाबबाड़ी, गुलाब बाड़ी मैदान, रीडगंज तिराहा,रीडगंज ओवर ब्रिज,जेल के पीछे, पुष्पराज चौराहा, हैदरगंज चौराहा, वजीरगंज, राठहवेली, लालबाग रेलवे क्रासिंग, मोदहा चौराहा, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा, सीतापुर नेत्र चिकित्सालय रीडगंज सहित अन्य चौराहों व मार्गों पर ये अराजक तत्व सक्रिय हो जाते है।सूत्र के मुताबिक ये अराजक तत्व शाम ढलते ही इन जगहों पर जुआ, सट्टा आदि खेलने में व्यस्त हो जाते हैं।वही इधर से गुजरने वाली महिलाओं, लड़कियों के साथ साथ छेड़खानी को अंजाम देते ही है इसके अलावा इधर से आने जाने वाले राहगीरों से छिनैती, लूट जैसी अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देते है।परंतु वि इस गंभीर समस्या पर पुलिस रोक लगाने मे असहज महसूस करती हुई दिखाई देती है।जबकि पुलिस पिकेट व डायल 112, चीता मोबाइल टीम, एंटी रोमियो स्क्वायड टीम की तैनात है। इसके बावजूद शहर में सक्रिय अराजक तत्वों से महिलाओं व राहगीरों से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है।जो पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाता है।

हाईस्कूल में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावियों का होगा सम्मान

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से अयोध्या पब्लिक सेवा संस्थान द्वारा हाईस्कूल परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। संस्थान की इस पहल को क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।संस्थान के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनकी उपलब्धि का अभिनंदन नहीं, बल्कि अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने का प्रयास है। संस्थान द्वारा समय–समय पर शिक्षा, सामाजिक सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं, जिनकी क्षेत्र में व्यापक सराहना होती रही है।इस अवसर पर संस्थान के संरक्षक राकेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव, रामकुमार, डॉ. आर.के. यादव, डॉ. उपकार यादव, ओम प्रकाश दुबे, निखिल श्रीवास्तव, नीति श्रीवास्तव, रत्ना जायसवाल, महेश जायसवाल एवं गौरव जायसवाल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।संस्थान ने हाईस्कूल में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी मेधावी छात्र–छात्राओं एवं उनके अभिभावकों से निर्धारित तिथि पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर सम्मान ग्रहण करने की अपील की है।

विश्वकर्मा समिति कालीना ने समाज के प्रतिभाशाली छात्रों को दी नई पहचान

मुंबई। विश्वकर्मा समिति कालीना ने समाज के प्रतिभाशाली छात्रों को आगे बढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिसमें १०वीं के और १२वीं के चयनित मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि १० वीं के छात्रों को १५०००६– और १२वीं के छात्रों को २००००६– रुपए , स्मृति चिन्ह, भागवत गीता, एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया । सम्मान पा कर उनके चेहरे पर खुशी देखने लायक थी एवं उनके अभिभावकों ने समिति के इस पहल की जम कर सराहना की । गौरतलब है कि भारत की सबसे बड़ी समृद्ध संस्था विश्वकर्मा समिति मुंबई कालीना द्वारा श्री विश्वकर्मा धाम १०वां वर्धापन दिवस महोत्सव सर्व शिक्षा अभियान के के दूसरे सत्र के तहत सम्मान एवं प्रोत्साहन धन राशि वितरण समारोह का आयोजन सोमवार ६ जुलाई को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ । इस दौरान भारी संख्या में समाज के प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों ने समाज के प्रति अपने विचार व्यक्त किये। बतौर मुख्य अतिथि पत्रकार राकेश विश्वकर्मा ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन बड़ा ही ऐतिहासिक है , मै सभी सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं देता हूं। समिति के प्रमुख राजेंद्र विश्वकर्मा और चेयरमैन सुनील राणा ने मुख्य अतिथि के संबोधन को प्रेरणा दायक बताते हुए कहा कि जो सफल छात्र है वो तो बधाई के पात्र है ही जो थोड़ा पीछे रह गए है वो मन छोटा न करे और कठिन परिश्रम करे और अगले साल शीर्ष स्थान प्राप्त करे । ष्सर्व शिक्षा अभियानष मंच का मुख्य संचालन समिति के प्रचार प्रसार मंत्री परविन्द विश्वकर्मा ने बहुत ही सफल तरीके से किया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राकेश विश्वकर्मा अध्यक्ष विश्वकर्मा फाउंडेशन मीरा रोड, रामा विश्वकर्मा अध्यक्ष विश्वकर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट दहिसर, नन्हे लाल विश्वकर्मा थाने सचिन विश्वकर्मा दीवा, लालजी विश्वकर्मा कांदिवली, आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति के अध्यक्ष राजेंद्र विश्वकर्मा, चेयरमैन सुनील राणा , जनरल सेक्रेटरी एडवोकेट जे. पी. शर्मा , संपर्क प्रमुख परविन्द विश्वकर्मा, कार्यकारिणी सदस्य सुभाष विश्वकर्मा, राजेंद्र विश्वकर्मा, बृजेश विश्वकर्मा, कमलेश विश्वकर्मा आदि समस्त पदाधिकारियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला के कान से बाली छीनी

गोरखपुर, (संवाददाता)। खजनी थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर महुआडाबर चौकी क्षेत्र के कंदराई गांव के पास पल्सर बाइक सवार दो बदमाशों ने एक दंपती को निशाना बनाते हुए महिला के कान से सोने की बाली झपट ली और भाग गए। भागते समय महिला के पति ने बाइक का नंबर नोट कर लिया, पुलिस इस नंबर के आधार पर जांच कर रही है। हरिजनपुर निवासी दिलीप कुमार अपनी पत्नी के साथ बाइक से बरडाड चौराहे स्थित दुकान खोलने जा रहे थे। कन्दराई गांव के पास रुहा पैलेस और आरओएम स्कूल के बीच पीछे से आए पल्सर सवार बदमाशों ने महिला के कान से बाली खींच ली। शोर मचाने पर दंपतीने पीछा किया लेकिन बदमाश भाग निकले।

गीडा में उद्योग लगाने को 22 कंपनियों ने दिए प्रस्ताव, जल्द होगा भूमि आवंटन

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में नए उद्योगों की स्थापना को लेकर उद्यमियों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न क्षेत्रों की 22 कंपनियों ने गीडा में उद्योग लगाने के लिए प्रस्ताव दिए हैं। इन कंपनियों में छोटे और बड़े स्तर के अलग–अलग तरह के उद्योग शामिल हैं। प्रस्तावों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही भूमि आवंटित की जाएगी। गीडा प्रशासन के अनुसार, निवेशकों की ओर से मिले प्रस्तावों में विनिर्माण क्षेत्र की कई इकाइयां शामिल हैं। इनमें एक कंपनी कूलर बनाने का उद्योग स्थापित करना चाहती है, जबकि दूसरी कंपनी पूजा में इस्तेमाल होने वाले बर्तन और धार्मिक सामग्री का निर्माण करेगी। इसके अलावा अन्य कंपनियों ने भी अपने–अपने क्षेत्र से जुड़े उद्योग लगाने की इच्छा जताई है। इससे 500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। नए उद्योगों की स्थापना से गीडा क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। गीडा की ओर से निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने और भूमि आवंटन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने की तैयारी की जा रही है। गीडा के एसीईओ राम प्रकाश ने बताया कि लगातार नए निवेश प्रस्ताव आने से क्षेत्र में औद्योगिक विस्तार की संभावनाएं बढ़ी हैं। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि निवेशकों को किसी तरह की परेशानी न हो। प्रस्ताव देने वाली कंपनियों के दस्तावेज और परियोजनाओं की जांच के बाद भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कैंट रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था के चलते रेल यात्री परेशान

अयोध्या।अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर इस समय अव्यवस्था का बोलबाला है।जिसके चलते रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इस समय सभी प्लेटफार्मो पर बारिश के चलते पानी भरा रहता है। वहीं प्लेटफार्म नंबर एक से दो तीन पर जाने के लिए सबवे में हल्की बारिश के चलते पानी भरा रहता है।वही प्लेटफार्म नंबर 1 से 2 तथा 3 पर जाने के लिए स्वाचलित सीढी भी बंद रहती है।सबवे में पानी भरे रहने तथा स्वचालित सीढ़ी बंद होने के चलते इन प्लेटफार्म को जाने के लिए पुल का सहारा लेना पड़ता है। बताते चले कि प्लेटफार्म नंबर दो तथा तीन से होकर गुजरने वाली ट्रेन से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों को खासकर बुजुर्गों, दिव्यांगों, मरीजों को स्वचालित सीढ़ी ना व सबवे मे पानी भरे रहने के चलते पुल का सहारा लेना पड़ता है। जिसके चलते इन रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित रेल अधिकारियो तथा कर्मियों का ध्यान नहीं जा रहा है।

सॉस-चटनी खा रहे हैं तो हो जाएं सावधान, इनमें भी मिलावट का खेल

गोरखपुर, (संवाददाता)। सॉस और चटनी खा रहे हैं तो सावधान हो जाइए। अब सॉस, चटनी, जैम और जेली जैसे खाद्य पदार्थों में मिलावट का खेल सामने आने लगा है। खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी में लाल डिग्गी स्थित साईं चटनी प्रोडक्ट संदेह के घेरे में आ गया। सूचना मिलने पर टीम ने फैक्ट्री पर छापा मारा लेकिन संचालक मौके से फरार हो गया। काफी इंतजार के बाद भी उसके नहीं पहुंचने पर विभाग ने प्रतिष्ठान को सील कर दिया। विभाग को आशंका है कि यहां सॉस और चटनी में घटिया सामग्री मिलाई जा रही थी। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा जिलाधिकारी के निर्देश पर दो दिन तक चले विशेष अभियान में सॉस, चटनी, जैम और जेली बनाने व बेचने वाले प्रतिष्ठानों की जांच की गई। राप्तीनगर स्थित ब्लिंकिट स्टोर प्रतिष्ठान का खाद्य लाइसेंस एक्सपायर्ड मिला। इनको कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इस प्रतिष्ठान से चार नमूने लिए गए। सहजनवा से सॉस का एक नमूना, गौरव फूड भंडार से सॉस और मेयोनीज के दो नमूने तथा ओम फूड प्रोडक्ट्स से मिश्रित अचार का एक नमूना लिया गया। सभी आठ नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग के अनुसार ऐसे उत्पादों में मुनाफे के लिए सड़े–गले टमाटर, कद्दू या पपीते का गूदा मिलाने, रंग चमकाने के लिए अखाद्य रंग, गाढ़ापन बढ़ाने के लिए सस्ते स्टार्च और कृत्रिम गाढ़े पदार्थ मिलाने की आशंका रहती है। ऐसे खाद्य पदार्थ लोगों का सेहत खराब कर देते है। मिलावटी सॉस, चटनी, जैम और जेली का सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। इनमें अखाद्य रंग, घटिया सामग्री या अधिक मात्रा में रासायनिक परिरक्षक होने पर पेट संबंधी परेशानी, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। लोगों को केवल भरोसेमंद स्थान से ही खाद्य पदार्थ खरीदने चाहिए। बोले अधिकारीडीएम के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है । सभी नमूनों की जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट में मिलावट की पुष्टि होने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शहर के कई घरों के सामने बारिश व गंदा पानी इकट्ठा होने से लोगो में आक्रोश

अयोध्या। हल्की सी बारिश ने नगर निगम के सफाई व्यवस्था की पोल खोल कर रख दिया है। हल्की सी बारिश में शहर के विभिन्न मोहल्लों, कॉलोनियों प्रमुख मार्गो पर बारिश का जल भराव दिखाई दे रहा है जिसके चलते आसपास घरों में गंदा व बारिश दिखाई दे रहा है।शहर के बछड़ा सुलतानपुर,देवकाली तिराहा,बेनीगंज, शाहजहांपुर, हैदरगंज, मुगलपुरा, राठहवेली, अश्वनीपुरम कालोनी सहित अनेक मुहल्ले, कालोनी व अन्य मार्गो पर बारिश के पानी ने नगर निगम की पोल खोल कर रख दिया है।इस समय सबसे खराब स्थित मोहल्ला तथा कॉलोनी में जहां पर सिविल लाइन तथा पाइप डालने के नाम पर संबंधित संस्थान ने आधी सड़क खोदकर छोड़ दिया है।जिसके चलते स्थानीय व इधर से गुजरने वाले लोग परेशान है।

गीडा सेक्टर-22 में अवैध होटलों पर प्रशासन का छापा

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर के गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के सेक्टर–22 में अवैध रूप से संचालित होटलों के खिलाफ मंगलवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम सहजनवां केसरी नंदन तिवारी और तहसीलदार सहजनवां राकेश कन्नौजिया के नेतृत्व में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापा मारा। दो होटलों को सील कर मैनेजर और मुंशी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रशासन को गीडा क्षेत्र में बिना लाइसेंस और आवश्यक दस्तावेजों के होटल संचालित होने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसी के आधार पर मंगलवार को टीम ने सेक्टर–22 में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान होटल संचालकों से लाइसेंस, पंजीकरण और संचालन से जुड़े अन्य अभिलेख मांगे गए लेकिन वे कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। दस्तावेजों के अभाव में प्रशासन ने मौके पर ही दो होटलों को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान गीडा थाना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पांडेय व गीडा के अधिकारी भी मौजूद रहे। अचानक हुई कार्रवाई से होटल संचालकों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। एसडीएम सहजनवां केसरी नंदन तिवारी ने बताया कि गीडा क्षेत्र में अवैध गतिविधियों और नियमों के विपरीत संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की शिकायतें मिल रही थीं। जांच में संबंधित होटल संचालक आवश्यक अभिलेख नहीं दिखा सके, जिसके बाद नियमानुसार सीलिंग की कार्रवाई की गई है।

दालमंडी में बंदर के ईंट गिराने से दुकानदार की मौत, ट्रॉमा सेंटर पहुंचे अफसर, की अपील

वाराणसी, (संवाददाता)। दालमंडी चौड़ीकरण परियोजना के तहत चल रहे ध्वस्तीकरण कार्य के बीच सोमवार को मरियम अस्पताल गली के नुक्कड़, जंजीरा शाह मस्जिद के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणाधीन भवन के ऊपर मौजूद एक बंदर की हलचल के कारण ईंट नीचे गिर गई, जो वहां से गुजर रहे एक दुकानदार के सिर पर जा लगी। गंभीर रूप से घायल दुकानदार को तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक और अफरा–तफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान दालमंडी क्षेत्र में बैग की दुकान संचालित करने वाले चुन्नू के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना इतनी अचानक हुई कि किसी को संभलने का मौका नहीं मिला। ईंट लगते ही दुकानदार सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि दालमंडी चौड़ीकरण और ध्वस्तीकरण कार्य के चलते कई भवनों को तोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर निर्माण और ध्वस्तीकरण स्थल के आसपास लोगों की आवाजाही पर रोक लगा रखी है।

सुबह से पड़ रहीं रिमझिम बूंदे, तापमान में गिरावट

प्रयागराज, (संवाददाता)। सोमवार रात से ही हो रही बारिश मंगलवार को भी जारी रही। पिछले 10 घंटे से कभी तेज तो कभी रुक रुक हो रही बारिश से पूरे शहर का मौसम ठंडा है। शहर में पिछले 24 घंटे में 32 एमएम बारिश हुई है। मौसम विभाग का कहना है की आज पूरा दिन मौसम इसी तरह बना रह सकता है। दिन भर रुक रुक कर बारिश होने की संभावना है। मंगलवार सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों को बारिश के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रातभर हुई बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत हुई। कुछ सड़कों पर पानी भर जाने से सुबह के समय यातायात भी प्रभावित रहा। फाफामऊ क्षेत्र में स्कूल जाने वाले बच्चों को जलभराव से बचकर निकलने में परेशानी हुई। सोमवार सुबह बादल के साथ धूप की वजह से उमस भरी गर्मी तापमान अधिकतम 38 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया था।

लाइब्रेरी से छात्र–छात्राओं की नोटबुक किताबें और आई कार्ड गायब

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर इलाके के गीता वाटिका स्थित एक लाइब्रेरी से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र–छात्राओं की नोटबुक, किताबें और आई कार्ड गायब होने का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह जानकारी होने पर नाराज छात्र–छात्राओं ने पुलिस को सूचना दी और शाहपुर थाने पहुंचकर हंगामा किया। पुलिस ने समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। जानकारी के अनुसार, शाहपुर क्षेत्र के गीता वाटिका स्थित राकेश सिंह के भवन में रीना पांडेय पिछले दो वर्षों से मातेश्वरी लाइब्रेरी संचालित कर रही हैं। यहां 40 से अधिक छात्र–छात्राएं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। छात्र कमलेश, मंटू, प्रदीप, श्वेता, कृति और प्रतिमा ने बताया कि वे रोजाना पढ़ाई के बाद अपनी नोटबुक, किताबें और आई कार्ड लाइब्रेरी में ही रख देते थे। आरोप है कि मंगलवार सुबह करीब 10 बजे जब वे लाइब्रेरी पहुंचे तो उनका सामान गायब मिला। इसकी जानकारी उन्होंने लाइब्रेरी संचालिका को दी और बाद में पुलिस को सूचना दी। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मकान खाली कराने को लेकर भवन मालिक और लाइब्रेरी संचालिका के बीच विवाद चल रहा है।

जिला अस्पताल में एक्स–रे प्लेट की कमी, 125 प्लेट से चला काम

गोरखपुर, (संवाददाता)। जिला अस्पताल के डिजिटल एक्स–रे विभाग में पिछले दो दिन से एक्स–रे प्लेट की कमी के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्लेट उपलब्ध न होने से अधिकांश मरीजों को एक्स–रे की रिपोर्ट मोबाइल पर फोटो के रूप में दी जा रही है। इस व्यवस्था से खासकर उन मरीजों और तीमारदारों की दिक्कत बढ़ गई है, जिनके पास एंड्रॉयड मोबाइल नहीं है। ऐसे लोगों को डॉक्टर को रिपोर्ट दिखाने में परेशानी उठानी पड़ रही है। जिला अस्पताल में प्रतिदिन 200 से अधिक मरीजों के डिजिटल एक्स–रे किए जाते हैं। रोजाना सुबह से ही एक्स–रे विभाग के बाहर मरीजों की लंबी कतार लगती है। प्लेट की कमी के बावजूद विभाग ने जांच कार्य बंद नहीं किया और उपलब्ध संसाधनों के सहारे व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।